Disclaimer : This content is not created or owned by Info Edge (india) Limited

UP BOARD QUESTION PAPER - 2023

CLASS - 10

SUBJECT : ELEMENTARY HINDI

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश :

i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

ii) इस प्रश्नपत्र के दो खण्ड, खण्ड - अ तथा खण्ड ब हैं ।

iii) खण्ड अ में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर देने हैं ।

iv) खण्ड - अ के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर ही उत्तर चिह्नित करें । ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा ह्वाइटनर का प्रयोग न करें ।

v) प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं ।

vi) खण्ड - ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।

vii) खण्ड - ब में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें ।

viii) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए । जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए ।

खण्ड - अ

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 20 बहुविकल्पीय हैं । निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक के चार-चार वैकल्पिक उत्तर दिए गए हैं । उनमें से सही विकल्प चुनकर क्रमवार उत्तर पत्रक पर अंकित करें ।

1. 'कंकाल' किस विधा की रचना है ?

shiksha

(A) नाटक

(B) आत्म-कथा

(C) उपन्यास

(D) रेखाचित्र

2. 'वैशाली में वसन्त' किसका नाटक है ?

(A) उपेन्द्रनाथ अश्क

(B) जयशंकर प्रसाद

(C) सेठ गोविन्द दास

(D) लक्ष्मी नारायण मिश्र

3. जयशंकर प्रसाद किस युग के लेखक हैं ?

(A) भारतेन्दु-युग

(B) शुक्ल-युग

(C) द्विवेदी-युग

(D) शुक्लोत्तर-युग

4. ऐतिहासिक उपन्यासकार हैं

(A) मुंशी प्रेमचन्द

(B) जैनेन्द्र

(C) वृन्दावनलाल वर्मा

(D) फणीश्वर नाथ रेणु

5. शुक्लोत्तर - युग की समयावधि है

shiksha

(A) सन् 1918 से 1936 तक

(B) सन् 1843 से 1900 तक

(C) सन् 1900 से 1918 तक

(D) इनमें से कोई नहीं

6. 'आश्रयदाताओं की प्रशंसा' निम्न में से किस काल / वाद की विशेषता रही है ?

(A) रीतिकाल की

(B) छायावाद की

(C) भक्तिकाल की

(D) प्रगतिवाद की

7. सुमित्रानन्दन पंत किस युग के प्रमुख कवि हैं ?

(A) प्रयोगवाद

(B) प्रगतिवाद

(C) छायावाद

(D) नई कविता

8. खड़ी बोली के प्रथम महाकाव्य के रचयिता हैं

(A) जयशंकर प्रसाद

(B) मैथिलीशरण गुप्त

(C) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(D) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

9. "राम की शक्ति पूजा" किसकी रचना है ?

shiksha

(A) मैथिलीशरण गुप्त

(B) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(C) महादेवी वर्मा

(D) सुमित्रानंदन पंत

10. "आँगन के पार द्वार" किसकी रचना है ?

(A) गिरिजाकुमार माथुर

(B) भवानीप्रसाद मिश्र

(C) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(D) धर्मवीर भारती

11. 'बज्रपाणि' में समास है

(A) बहुव्रीहि

(B) द्वन्द्व

(C) कर्मधारय

(D) तत्पुरुष

12. 'द्वन्द्व' समास की परिभाषा है

(A) जिसमें दोनों पद प्रधान हों

(B) जिसमें उत्तर पद प्रधान हो

(C) जिसमें प्रथम पद प्रधान हो

(D) जहाँ दोनों से हटकर तीसरा अर्थ निकाला जाय

13. 'बादल' का पर्याय है

shiksha

(A) वारिद

(B) जलधि

(C) वारिज

(D) नीरज

14. 'कृतज्ञ' का विलोम है

(A) कृतघ्न

(B) पापी

(C) उपकृत

(D) दुष्ट

15. "चौराहा" का तत्सम है

(A) चतुर्पद

(B) चतुष्पथ

(C) तिराहा

(D) इनमें से कोई नहीं

16. 'कर्ण' का तद्भव है

(A) कान

(B) कपाट

(C) नाक

(D) इनमें से कोई नहीं

17. जो ईश्वर में विश्वास न रखता हो उसे कहते हैं

shiksha

(A) आस्तिक

(B) नास्तिक

(C) वाचाल

(D) दंभी

18. 'सुरेश' का संधि-विच्छेद है

(A) सुर + ईश

(B) सुरा + ईश

(C) सुर + एष

(D) इनमें से कोई नहीं

19. 'पयांसि' शब्द में विभक्ति और वचन हैं

(A) प्रथम एवम् द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(B) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(C) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(D) इनमें से कोई नहीं

20. "पठेयम्" में वचन और पुरुष है

(A) उत्तम पुरुष, एकवचन

(B) मध्यम पुरुष, बहुवचन

(C) अन्य पुरुष, द्विवचन

(D) इनमें से कोई नहीं

खण्ड - ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

shiksha

1. दिये गये गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है । यह केवल नीति और सदवृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है । किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी तो उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जायेगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली सुदृढ़ बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जायेगी ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) गद्यांश के रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) कुसंग का क्या प्रभाव होता है ?

अथवा

जहाँ-जहाँ हमारे नैतिक सिद्धान्तों का वर्णन आया है, अहिंसा को ही उनमें मुख्य स्थान दिया गया है। अहिंसा का दूसरा नाम या दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या नाम स्वार्थ है जो प्रायः भोग के रूप में हमारे सामने आता है। पर हमारी सभ्यता ने भोग भी त्याग से ही निकाला है और भोग भी त्याग में ही पाया है। श्रुति कहती है- "तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः"। इसी के द्वारा हम व्यक्ति व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, समाज और समाज के बीच का विरोध, देश और देश के बीच का विरोध मिटाना चाहते हैं । हमारी सारी नैतिक चेतना इसी तत्त्व से ओत-प्रोत है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) हमारे नैतिक सिद्धान्तों में किस चीज को प्रमुख स्थान दिया गया है ? इसका दूसरा रूप क्या है ?

2. दिये गये पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सुनि सुन्दर बैन सुधारस साने, सयानी हैं जानकी जानी भली ।

तिरछे करि नैन दै सैन तिन्हें समुझाइ कछू मुसकाइ चली ।।

तुलसी तेहि औसर सोहैं सबै अवलोकति लोचन लाहु अली ।

shiksha

अनुराग-तड़ाग में मानु उदै विगसी मनो मंजुल कंज कली ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) उपर्युक्त कविता में कौन-सा अलङ्कार एवम् छन्द है ?

अथवा

चींटी को देखा ?

वह सरल, विरल काली रेखा,

तम के तागे-सी जो हिल-डुल

चलती लघु पद पल-पल मिल-जुल,

वह है पिपीलिका पाँति ।

देखो ना, किस भाँति

काम करती वह सतत !

कन-कन कनके चुनती अविरत ।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) उपर्युक्त कविता से क्या शिक्षा प्राप्त होती है ?

3. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

एषा नगरी भारतीय संस्कृतेः, संस्कृत भाषायाश्च केन्द्र - स्थलम् अस्ति । इतः एव संस्कृत वाङ्मयस्य, संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः । मुगल युवराजः, दारा शिकोहः अत्रागत्य भारतीय-दर्शन-शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत । सः तेषाम् ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसी भाषायाम् कारितः ।

अथवा

shiksha

विश्वस्य स्रष्टा ईश्वरः एक एव इति भारतीय संस्कृतेः मूलम् । विभिन्न मतावलम्बिनः विविधैः नागाभिः एकम् एव ईश्वरम् भजन्ते । अग्निः इन्द्रः, कृष्णः, करीमः, रहीमः जिनः, ख्रिस्तः, अल्लाहः इत्यादीनि नामानि एकस्य एव परमात्मनः सन्ति । तम् एव ईश्वरम् जनाः गुरुः इत्यपि मन्यन्ते । अतः सर्वेषाम् मतानाम् समभावः सम्मानश्च अस्माकम् संस्कृतेः संदेशः ।

(ख) दिये गये संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का संदर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

किंस्वित् प्रवसतो मित्रम्, किंस्वित् मित्रम् गृहे सतः
आतुरस्य च किम् मित्रम्, किंस्वित् मित्रम् मरिष्यतः

अथवा

मंगलम् मरणम् यत्र विभूतिर्यन्न भूषणम
कौपीनम् यत्र कौशेयम् काशी के नोपमायते ।

4. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उसकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए :

(i) रामचन्द्र शुक्ल

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद ।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उसकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए :

(i) सूरदास

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) राम नरेश त्रिपाठी ।

shiksha

5. दिए गये संस्कृत प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए :

(i) वाराणसी नगरी कुत्र स्थिता अस्ति ?

(ii) विश्वस्य स्रष्टा कः अस्ति ?

(iii) पिता कस्मात् उच्चतरः अस्ति ?

6. (क) 'हास्य' अथवा 'करुण रस की परिभाषा लिखते हुए उसका एक उदाहरण दीजिए ।

(ख) 'रूपक' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलङ्कार की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण लिखिए।

(ग) 'दोहा' अथवा 'चौपाई' छन्द के लक्षण लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए ।

7. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवम् मुहावरों में से किसी एक का अर्थ बताते हुए उसको अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

(i) हाथ कंगन को आरसी क्या ?

(ii) उल्टा चोर कोतवाल को डाँटै ।

(iii) अधजल गगरी छलकत जाय ।

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :

(i) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(ii) प्रदूषण समस्या: कारण और निवारण

(iii) अनुशासन का महत्त्व

(iv) मेरा प्रिय कवि ।

shiksha